UNIVERSITY OF KOTA

KOTA

SCHEME OF EXAMINATION

AND

COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

पाठ्यक्रम

2024–25

M.A. RAJASTHANI

स्नातकोत्तर राजस्थानी

एम.ए. सैमेस्टर प्रथम – चतुर्थ

M.A. SEMESTER I - IV

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

M.A. Rajasthani
एम.ए. राजस्थानी

Semester I to IV

SEM	Paper	Code	Course Code	Nomenclature of Papers	Lecture	Lecture Per week	Total Lecture	M.M.
I	I	DCC	RAJ-08-01	राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास	10	6	90	100
	II	DCC	RAJ-08-02	प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य	20			100
	III	DCC	RAJ-08-03	प्राचीन एवं मध्यकालीन वीर एवं रासो काव्य	30			100
	IV	DCC	RAJ-08-04	मध्यकालीन भक्ति एवं विविध विषयक काव्य	30			100
II	I	DCC	RAJ-09-01	आधुनिक राजस्थानी कथा साहित्य	25	6	90	100
	II	DCC	RAJ-09-02	आधुनिक राजस्थानी कथेत्तर साहित्य	20			100
	III	DCC	RAJ-09-03	आधुनिक राजस्थानी वीर एवं प्रकृति काव्य	25			100
	IV	DCC	RAJ-09-04	आधुनिक राजस्थानी नवीन भाव बोध परक काव्य	20			100
III	I	DCC	RAJ-10-01	राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास	20	6	90	100
	II	DCC	RAJ- 10-02	राजस्थानी लोक साहित्य	20	6	90	100
	III	DCC	RAJ- 10-03	राजस्थानी संत साहित्य	20	6	90	100
	IV	DCC	RAJ- 10-04	राजस्थानी लोक संस्कृति	10	6	90	100
	V	DCC	RAJ- 10-05	राजस्थानी काव्य शास्त्र	20	6	90	100
IV	I	DCC	RAJ- 11-01	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	20	6	90	100
	II	DCC	RAJ- 11-02	शोध प्रविधि एवं पाठालोचन	20	6	90	100
	III	DEC	RAJ- 11-03-A	मध्यकालीन विशेष साहित्यकार (अ) मीराबाई	20	6	90	100
		DEC	RAJ- 11-03-B	मध्यकालीन विशेष साहित्यकार (ब) ईसरदास				
	IV	DEC	RAJ- 11-04-A	आधुनिक राजस्थानी साहित्य (अ) सूर्यमल्ल मीसण	20	6	90	100
		DEC	RAJ- 11-04-B	आधुनिक राजस्थानी साहित्य (ब) महाराजा चतुरसिंह				
	V	DCC	RAJ- 11-05-A	निबन्ध	10	6	90	100
		DCC	RAJ- 11-05-B	लघुशोध				

Examination Scheme:

Each paper contains 150 marks. For regular and non collegiates theory paper will be of 100 marks. For regular students internal evaluation of marks 50 are divided into 20 marks for assignment, 20 marks for written test and 10 marks for viva/presentation.

For non collegiate students internal evaluation marks 50 are divided into 40 marks for assignment and 10 marks for viva/presentation.

Duration : 3 hours Question Paper Max. Marks – 100

Note : The question paper will contain two sections as under –

The question paper consists of section A and section B. Section A for 20 marks and section B for 80 Marks.

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 30 words for each part. Total marks : 10x2=20

Section-B : Contents 10 questions, 2 questions from each unit, attempted 5 questions, by taking one from each unit, answer approximately in 500 words. 16x5=80

DCC - COURSE CODE RAJ- 08-01

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – प्रथम (Semester - I Rajasthani)

Paper - I

प्रथम प्रश्न पत्र

राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास

पाठ्यपुस्तकें एवं विशिष्ट अध्ययन

1. राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति और विकास
2. राजस्थानी बोलियां और क्षेत्र
3. प्राचीन राजस्थानी साहित्य
4. पूर्व मध्यकाल एवं उत्तर मध्यकाल
5. आधुनिक राजस्थानी साहित्य का विस्तृत परिचय

प्रथम इकाई : राजस्थानी भाषा की विकास परंपरा

द्वितीय इकाई : राजस्थानी बोलियाँ, क्षेत्र एवं भाषायी तत्त्वों के आधार पर राजस्थानी भाषा का विवेचन

तृतीय इकाई : प्राचीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

चतुर्थ इकाई : पूर्व एवं उत्तर मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

पंचम इकाई : आधुनिक राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 एवं 3 राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास परंपरा

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 एवं 5 राजस्थानी बोलियाँ, क्षेत्र एवं भाषायी तत्त्वों के आधार पर राजस्थानी भाषा का विवेचन

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 एवं 7 प्राचीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 'पूर्व मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

प्रश्न सं.–9 उत्तर मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 आधुनिक गद्य राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

प्रश्न सं.–11 आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

<u>अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–</u>

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. राजस्थानी भाषा, साहित्य और व्याकरण : सीताराम लालस
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
3. राजस्थानी भाषा : एक परिचय, डॉ. नरोत्तमदास स्वामी
4. राजस्थानी भाषा : डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या, साहित्य संस्थान, उदयपुर
5. डिंगल साहित्य : डॉ. गोर्वद्धन शर्मा
6. History of Rajasthani Literature : Dr. Hira Lal Maheshwari, Sahitya Akedmi, New Delhi

◈◈◈

DCC - COURSE CODE RAJ- 08-02

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – प्रथम (Semester - I Rajasthani)

Paper - II

द्वितीय प्रश्न पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

पाठ्यपुस्तकें एवं विशिष्ट अध्ययन

1. राजस्थानी गद्य परंपरा का विकास
2. राजस्थानी वात साहित्य परंपरा
3. राजस्थानी गद्य साहित्य में ऐतिहासिक ग्रंथों का परिचय
4. मध्यकालीन गद्य विधाओं का विस्तृत रूप से अध्ययन
5. प्रमुख गद्य–पद्य मिश्रित राजस्थानी ग्रंथ एवं प्रमुख चरित्र प्रधान ग्रंथों का अध्ययन
6. पाठ्य पुस्तकें 1. अचलदास खींची री वचनिका : (सं.) भूपतिराम साकरिया
   2. कुंवरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 'अचलदास खींची री वचनिका' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–3 'अचलदास खींची री वचनिका' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 'कुंवरसी सांखलो' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–5 'कुंवरसी सांखलो' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 'अचलदास खींची री वचनिका' से संबंधित अलोचनात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–7 'अचलदास खींची री वचनिका' से संबंधित अलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 'कुंवरसी सांखलो' से संबंधित अलोचनात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–9 'कुंवरसी सांखलो' से संबंधित अलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य परंपरा का विकास का परिचय

प्रश्न सं.–11 प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य परंपरा : प्रमुख गद्य विधाओं का परिचय

<u>पुस्तकें एवं अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–</u>

1. अचलदास खींची री वचनिका : भूपतिराम साकरिया : पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. कुंवरसी सांखलो : डॉ. मनोहर शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
3. प्राचीन काव्यों की रूप परंपरा : अगर चंद नाहटा, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
4. राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति : डॉ. कल्याणसिंह शेखावत : राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली

◈◈◈

DCC - COURSE CODE RAJ- 08-03

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – प्रथम (Semester - I Rajasthani)

Paper - III

तृतीय प्रश्न पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी वीर एवं रासो काव्य परंपरा

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन
2. राजस्थानी वीर काव्य परंपरा : परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, प्रमुख रनाएं और रचनाकार
3. राजस्थानी रासो काव्य परंपरा : परिचय, प्रमुख रचनाएं और रचनाकार
4. पाठ्य पुस्तकें 1. रणमल्ल छंद सं. मूलचंद प्राणेश
   2. वीसलदेव रासो ' प्रबंध परिजात : (सं.) रावत सारस्वत

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 एवं 3 'रणमल्ल छंद' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 एवं 5 'वीसलदेव रासो' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 एवं 7 'रणमल्ल छंद' में से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 एवं 9 'वीसलदेव रासो' में से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी वीर काव्य परंपरा : परिचय, परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं और रचनाकारों से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.– 11 प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी रासो काव्य परंपरा : परिचय, परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं और रचनाकारों से संबंधित प्रश्न

<u>पुस्तकें एवं अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–</u>

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
2. रणमल्ल छंद : (सं) मूलचंद प्राणेश : भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
3. प्रबंध परिजात (सं) रावत सारस्वत : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 08-04

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – प्रथम (Semester - I Rajasthani)

Paper - IV

चतुर्थ प्रश्न पत्र

मध्यकालीन भक्ति एवं विविध विषयक काव्य

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का विस्तृत अध्ययन
2. मध्यकालीन राजस्थानी भक्ति काव्य परंपरा सगुण, निर्गुण एवं संत परंपरा, रचनाएं और रचनाकार
3. मध्यकालीन राजस्थानी रीति एवं श्रृंगार काव्य परंपरा : रचनाएं और रचनाकार
4. मध्यकालीन राजस्थानी नीति काव्य परंपरा : रचनाएं और रचनाकार
5. पाठ्य पुस्तकें 1. मीरा पदावली (भाग–प्रथम) : (सं.) हरिनारायण पुरोहित व्याख्या हेतु : प्रथम 50 पद)
   2. वेलि किसण रूकमणी री (सं.) नरोत्तम स्वामी (व्याख्या हेतु प्रथम 116 छंद)

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 एवं 3 'मीरां पदावली में से सप्रसंग व्याख्या (कोई एक व्याख्या : निर्धारित पद संख्या में से)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 एंव 5 'वेलि किसन रूकमणी री' में से सप्रसंग व्याख्या (कोई एक व्याख्या : निर्धारित छंद संख्या में से)

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 एवं 7 'मीरां पदावली' में से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 एवं 9 'वेलि किसन रूकमणी री' में से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 मध्यकालीन राजस्थानी भक्ति एवं नीति काव्य परंपरा, प्रमुख रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.– 11 मध्यकालीन राजस्थानी रीति, श्रृंगार काव्य परंपरा, प्रमुख रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित प्रश्न

पाठ्यपुस्तकें एवं अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–

1. मीरा पदावली (भाग प्रथम) : सं. पुरोहित हरिनारायण, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
2. वेलिकिसन रूकमणी री : सं. नरोत्तम स्वामी, प्रकाशन : राजस्थानी ग्रंथागार
3. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
4. राजस्थानी भाषा, साहित्य और व्याकरण : सीताराम लालस
5. राजस्थानी नीति परक संबोधन काव्य परंपरा : डॉ. भगवती लाल शर्मा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
6. उत्तरी भारत की संत परंपरा : डॉ. पेमाराम, अर्चना प्रकाशन, अजमेर

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 09-01

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – द्वितीय (Semester - II Rajasthani)

Paper - I

प्रथम प्रश्न पत्र

आधुनिक राजस्थानी कथा साहित्य

विशिष्ट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य परंपरा एवं विकास
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं
3. आधुनिक राजस्थानी कथा साहित्य
4. पाठ्य पुस्तकें 1. आज री राजस्थानी कहाणियां
   2. मांझळ रात

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 एवं 3 'आज री राजस्थानी कहाणियां' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 एवं 5 'मांझळ रात' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 एवं 7 'आज री राजस्थानी कहाणियां' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 एवं 9 'मांझळ रात' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य–परंपरा एवं विकास से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–11 आधुनिक राजस्थानी कथा साहित्य रचना एवं रचनाकार

पाठ्य पुस्तकें :–

1. आज री राजस्थानी कहाणियाँ : रावत सारस्वत साहित्य अकादमी नई दिल्ली (पाठ्यक्रम में कहानी सं. 3, 4, 10, 12, 16, 18, 22, 24, 27, 28)
2. मांझळ रात : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–

1. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तियाँ
   डॉ. किरण नाहटा प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर।

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 09-02

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – द्वितीय (Semester - II Rajasthani)

Paper - II

द्वितीय प्रश्न पत्र

आधुनिक राजस्थानी कथेत्तर साहित्य

विशिष्ट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य परंपरा : परिचय एवं विकास
2. आधुनिक राजस्थानी विविध गद्य विधाएं – निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, डायरी
3. आधुनिक राजस्थानी निबंध साहित्य
4. पाठ्य पुस्तकें 1. बुगचो : मूळदान देपावत
   2. राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 एवं 3 'बुगचो' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 एवं 5 'राजस्थानी निबंध संग्रह' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 एवं 7 'बुगचो' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 एवं 9 'राजस्थानी निबंध संग्रह' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य : विकास एवं परंपरा से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–11 विविध गद्य विधाएं – निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा : रचना एवं रचनाकार

पाठ्य पुस्तकें :–

1. बुगचो : मूलदान देपावत, सांखला प्रिन्टर्स, बीकानेर
2. राजस्थानी निबंध संग्रह : चन्द्रसिंह, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–

1. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तियाँ
   डॉ. किरण नाहटा प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर।

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 09-03

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – द्वितीय (Semester - II Rajasthani)

Paper - III

तृतीय प्रश्न पत्र

आधुनिक राजस्थानी वीर एवं प्रकृति काव्य

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा : विभिन्न चरण
2. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा : विभिन्न काव्य धाराएं–परिचय
3. आधुनिक राजस्थानी वीर एवं प्रकृति काव्य
4. पाठ्य पुस्तकें 1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मिश्रण
   2. बादळी : चन्द्रसिंह

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 एवं 3 'वीर सतसई' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 एवं 5 'बादळी' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 एवं 7 'वीर सतसई' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 एवं 9 'बादळी' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा विकास के विभिन्न चरण

प्रश्न सं.–11 आधुनिक काव्य परंपरा : प्रमुख रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित प्रश्न

पाठ्य पुस्तकें :–

1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मिश्रण, (सं) पतराम गौड, ईश्वरदान आशिया, कन्हैयालाल सहल, प्रकाशक : राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
2. बादळी : चन्द्रसिंह, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–

1. परम्परा : सूर्यमल्ल मीसण विशेषांक, हेमाणी' अंक तथा 'आधुनिक राजस्थानी कविता' प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
2. वीर सतसई : डॉ. शम्भूसिंह मनोहर, स्टूडेण्ट्स बुक कम्पनी, चौडा रास्ता, जयपुर।

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 09-04

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – द्वितीय (Semester - II Rajasthani)

Paper - IV

चतुर्थ प्रश्न पत्र

आधुनिक राजस्थानी नवीन भाव बोध परक काव्य

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा
2. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा : नवीन भाव बोध, मानवतावाद, बिम्ब विधान
3. पाठ्य पुस्तकें 1. राधा : सत्यप्रकाश जोशी
   2. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 एवं 3 'राधा' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 एंव 5 'लीलटांस' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 एवं 7 'राधा' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 एवं 9 'लीलटांस' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा, प्रमुख रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.– 11 आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा, नवीन भाव बोध, मानवतावाद आदि से संबंधित प्रश्न

पाठ्य पुस्तकें :–

1. राधा : सत्यप्रकाश जोशी, प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया, प्रकाशन : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–

1. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तियाँ
   डॉ. किरण नाहटा प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर।

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 10-01

M.A. Rajasthani III Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–तृतीय

प्रथम प्रश्न पत्र (Paper-I)

राजस्थानी प्रेमाख्यान परम्परा

पाठ्यपुस्तक एवं विशिष्ट अध्ययन

1. राजस्थानी साहित्य परम्परा में प्रेमाख्यान
2. राजस्थानी लोक काव्य शैली : प्रेमाख्यान परम्परा
3. राजस्थानी प्रेमाख्यान परम्परा : विविध स्वरूप

पाठ्यपुस्तक

1. **माधवानल कामकंदला चौपाई** : कुशललाभ : (संकलित अंश) प्रबंध पारिजात : सं. रावत सारस्वत

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द–सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

प्रश्न पत्र अंक योजना

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 'माधवानल कामकंदला चौपाई' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–12 'माधवानल कामकंदला चौपाई' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'माधवानल कामकंदला चौपाई' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–14 'माधवानल कामकंदला चौपाई' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 ''माधवानल कामकंदला चौपाई' आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 'माधवानल कामकंदला चौपाई' आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 प्राचीन राजस्थानी गेय प्रेमाख्यान (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 प्राचीन राजस्थानी कथात्मक प्रेमाख्यान (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी प्रेमाख्यान परंपरा में राजस्थानी संस्कृति (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी प्रेमाख्यान परंपरा के प्रमुख नायक–नायिका (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

पाठ्यपुस्तकें

1. 'माधवानल कामकंदला चौपाई' (संकलित अंश) : प्रबंध पारिजात सं. रावत सारस्वत
प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी प्रेमाख्यान : डॉ. रामगोपाल गोयल,
प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

◈◈◈

DCC - COURSE CODE RAJ- 10-02

M.A. Rajasthani III Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–तृतीय

द्वितीय प्रश्न पत्र (Paper-II)

राजस्थानी लोक साहित्य

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. लोक अर्थ परिभाषा – परिचय लोक मानस, लोकतत्त्व
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय, अभिजात्य साहित्य से तुलना
3. राजस्थानी लोक साहित्य परिचय–प्रमुख विधाएं
4. राजस्थानी लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य
5. राजस्थानी लोकगीत परंपरा
6. राजस्थानी लोकोक्ति साहित्य–कहावतें और पहेलियां

प्रश्न पत्र अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द–सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 लोक अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, लोकतत्त्व

प्रश्न सं.–12 लोक मानस – लोक मानस का स्वरूप एवं विशेषताए

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 लोक साहित्य –परिभाषा, विशेषताएं, विभिन्न विधाएं

प्रश्न सं.–14 लोक साहित्य एवं अभिजात्य साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 राजस्थानी लोक साहित्य की विविध विधाएं

प्रश्न सं.–16 राजस्थानी लोक कथा–परिचय एवं विशेषताएं

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 राजस्थानी लोक गीत – प्रमुख भेद

प्रश्न सं.–18 राजस्थानी लोक गाथा – परिचय एवं प्रमुख गाथाएं

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी कहावतों का परिचय – विभिन्न प्रकार एवं विषय

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी प्रहेलिका साहित्य – परंपरा एवं प्रकार

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन : डॉ. सोहनदान चारण
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता
3. राजस्थानी राजस्थानी लोक साहित्य : डॉ. नारायण सिंह भाटी
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थापक चौपासनी, जोधपुर
4. लोक साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. राजस्थानी लोक नाट्य परंपरा एवं प्रवृत्तियां : डॉ. महेन्द्र भानावत
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
6. राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति : डॉ. नंदलाल कल्ला
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

◈◈◈

DCC - COURSE CODE RAJ- 10-03

M.A. Rajasthani III Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–तृतीय

तृतीय प्रश्न पत्र (Paper-III)

राजस्थानी संत साहित्य

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थान के मध्यकालीन इतिहास में धार्मिक स्थिति
2. राजस्थान के प्रमुख संत
3. राजस्थान के प्रमुख संत सम्प्रदाय–संतों के काव्य में भक्ति स्वरूप
4. राजस्थान का संत साहित्य की विशेषताएं एवं राजस्थानी साहित्य को देन
5. राजस्थान के संतों का राजस्थान के सामाजिक, धार्मिक साहित्य एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में योगदान

प्रश्न पत्र अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 राजस्थान के मध्यकालीन इतिहास की धार्मिक स्थिति

प्रश्न सं.–12 उत्तरी भारत की धार्मिक परिस्थितियों का राजस्थान पर प्रभाव

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 राजस्थान के प्रमुख–संतों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

प्रश्न सं.–14 राजस्थान के संत संप्रदाय–पीठ एवं केन्द्र

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 राजस्थान के संतों की भक्ति का स्वरूप एवं विशेषताएं

प्रश्न सं.–16 राजस्थान के प्रमुख संतों का साहित्य

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 राजस्थान के प्रमुख संत कवि एवं उनका काव्य

प्रश्न सं.–18 राजस्थान के संतों का राजस्थानी साहित्य को योगदान

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थान के संतों का सामाजिक अवदान

प्रश्न सं.–20 राजस्थान के संतों का धार्मिक एवं सांस्कृतिक योगदान

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थान का संत साहित्य : (सं.) वसुमति शर्मा
   प्रकाशक : प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
2. मध्यकालीन राजस्थान में धार्मिक आन्दोलन : डॉ. पेमाराम
   प्रकाशक : अर्चना प्रकाशन, अजमेर
3. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. राजस्थानी भाषा–साहित्य : संस्कृति : डॉ. कल्याणसिंह शेखावत
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. राजस्थान के प्रमुख संत और लोकदेवता : डॉ. दिनेशचन्द्र शुक्ल
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

◈◈◈

DCC - COURSE CODE RAJ- 10-04

M.A. Rajasthani III Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–तृतीय

चतुर्थ प्रश्न पत्र (Paper-IV)

राजस्थानी लोक संस्कृति

Credit-06

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. संस्कृति का अर्थ, स्वरूप–परिभाषा और तत्त्व
2. सभ्यता और संस्कृति तुलनात्मक अध्ययन
3. राजस्थानी लोक संस्कृति की विशेषताएं
4. राजस्थानी लोक परंपराएं
5. राजस्थानी लोक सांस्कृतिक विशिष्टताएं और राजस्थानी समाज
6. राजस्थानी लोक धर्म–राजस्थानी लोक देवी–देवता
7. राजस्थानी लोक विश्वास, शकुन और मान्यताएं
8. राजस्थानी लोकतीर्थ, मेले, तीज त्यौहार, पर्व–उत्सव, राजस्थानी वेषभूषा, वस्त्राभूषण, लोक संगीत, नृत्य और वाद्य।

प्रश्न पत्र अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 संस्कृति–अर्थ, परिभाषा, तत्त्व स्वरूप, सभ्यता और संस्कृति का तुलनात्मक अध्ययन

प्रश्न सं.–12 संस्कृति–अर्थ, परिभाषा, तत्त्व स्वरूप, सभ्यता और संस्कृति का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 राजस्थानी लोक संस्कृति के तत्त्व और विशेषताएं

प्रश्न सं.–14 राजस्थानी लोक संस्कृति के तत्त्व और विशेषताएं

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 राजस्थानी लोक धर्म, लोक देवी–देवता परिचयात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–16 राजस्थानी लोक धर्म, लोक देवी–देवता : परिचयात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 राजस्थानी लोक धर्म विश्वास और समाज : परिचयात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–18 राजस्थानी लोक धर्म विश्वास और समाज : परिचयात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थान के मेले, वस्त्राभूषण, तीज त्यौहार, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक वाद्य : सामान्य परिचयात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–20 राजस्थान के मेले, वस्त्राभूषण, तीज त्यौहार, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक वाद्य : सामान्य परिचयात्मक प्रश्न

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन : डॉ. सोहनदान चारण,
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थान की सांस्कृतिक परंपरा : जयसिंह नीरज एवं भगवतीलाल शर्मा
   प्रकाशक : राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर
3. राजस्थान के व्रत उत्सव : महेन्द्रसिंह नगर
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. राजस्थान के सांस्कृतिक लोकगीत : लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. राजस्थान के रीतिरिवाज : लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
6. राजस्थान के लोकवाद्य : रमेश बोराणा
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
7. राजस्थान के व्रत एवं त्यौहार : प्रीतिप्रभा गोयल
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
8. राजस्थान के प्रमुख संत और लोकदेवता : डॉ. दिनेश चन्द्र शुक्ल
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

◈◈◈

DCC - COURSE CODE RAJ- 10-05

M.A. Rajasthani III Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–तृतीय

पंचम प्रश्न पत्र (Paper-V)

राजस्थानी काव्य शास्त्र

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी काव्य शास्त्रीय परंपरा का अध्ययन
2. राजस्थानी छंदों का अध्ययन
3. राजस्थानी अलंकार – वैणसगाई अलंकार का विशेष अध्ययन
4. डिंगल गीत परंपरा का अध्ययन
5. राजस्थानी काव्य–दोष

प्रश्न पत्र अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 राजस्थानी काव्य शास्त्र परंपरा एवं काव्य–शास्त्रीय रचनाओं से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–12 राजस्थानी काव्य शास्त्र परंपरा एवं काव्य–शास्त्रीय रचनाओं से संबंधित प्रश्न

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 राजस्थानी छंदों से संबंधित प्रश्न, परिचय, लक्षण एवं उदाहरण संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–14 राजस्थानी छंदों से संबंधित प्रश्न, परिचय, लक्षण एवं उदाहरण संबंधित प्रश्न

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 राजस्थानी डिंगल गीत परंपरा से सम्बन्धित प्रश्न

प्रश्न सं.–16 राजस्थानी डिंगल गीत परंपरा से सम्बन्धित प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 राजस्थानी अलंकार : वैण सगाई : परिभाषा, प्रमुख भेद, लक्षण एवं उदाहरण संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–18 राजस्थानी अलंकार : वैण सगाई : परिभाषा, प्रमुख भेद, लक्षण एवं उदाहरण संबंधित प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी काव्य–दोष समस्त भेद परिभाषा, लक्षण एवं उदाहरण संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी काव्य–दोष समस्त भेद परिभाषा, लक्षण एवं उदाहरण संबंधित प्रश्न

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. रघुनाथ रूपक : मंसाराम सेवग, सं. महताबचंद खारेड़
   प्रकाशक : : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. रघुवर जस प्रकास : किसना आढा : सं. सीताराम लालस
   प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

◈◈◈

DCC - COURSE CODE RAJ- 11-01

M.A. Rajasthani IV Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–चतुर्थ

प्रथम प्रश्न पत्र (Paper-I)

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र

पाठ्यपुस्तके एवं विशिष्ट अध्ययन

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का अध्ययन
2. साहित्य का स्वरूप तथा विवेचन भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि, साहित्य के तत्त्व, काव्य की मूल प्रेरणा और प्रयोजन
3. रस सिद्धान्त : रस निष्पत्ति, साधारणीकरण
4. अलंकार सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सिद्धान्त
5. ध्वनि सिद्धान्त
6. अरस्तू के काव्य सिद्धान्त (अनुकृति सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त एवं काव्यरूपों का विवेचन)
7. क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद, आई.ए. रिचर्ड्स का काव्य सिद्धान्त (मूल्य सिद्धान्त)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

प्रश्न पत्र अंक योजना

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 साहित्य शास्त्र से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–12 साहित्य शास्त्र से संबंधित प्रश्न

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 भारतीय काव्य शास्त्र से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–14 भारतीय काव्य शास्त्र से संबंधित प्रश्न

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 अलंकार संप्रदाय एवं वक्रोक्ति से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–16 अलंकार संप्रदाय एवं वक्रोक्ति से संबंधित प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 ध्वनि सिद्धान्त (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित)

प्रश्न सं.–18 ध्वनि सिद्धान्त (एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 पाश्चात्य काव्य शास्त्र–परिचयात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–20 पाश्चात्य काव्य शास्त्र–परिचयात्मक प्रश्न

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. रस मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. भारतीय साहित्यशास्त्र : बलदेव उपाध्यक्ष
   प्रकाशक : साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली

◈◈◈

DCC - COURSE CODE RAJ- 11-02

M.A. Rajasthani IV Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–चतुर्थ

द्वितीय प्रश्न पत्र (Paper-II)

शोध प्रविधि एवं पाठालोचन

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. शोध–अर्थ–स्वरूप, उद्देश्य, शोध प्रविधि विभिन्न प्रक्रियाएं
2. साहित्यिक क्षेत्र में शोध–हस्तलिखित ग्रंथों का अध्ययन
3. पाठ संपादन–प्रक्रिया
4. पाठ लेखन : आधार एवं सहायक सामग्री
5. पाठ निर्माण एवं पाठ निर्धारण
6. विभिन्न पाठ संपादकों की पाठ संपादन प्रक्रिया का अध्ययन

प्रश्न पत्र अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 शोध का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप प्रक्रिया एवं प्रविधि

प्रश्न सं.–12 शोध का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप प्रक्रिया एवं प्रविधि

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 साहित्यिक क्षेत्र में शोध, राजस्थानी साहित्य में हस्तलिखित ग्रंथों का अध्ययन

प्रश्न सं.–14 साहित्यिक क्षेत्र में शोध, राजस्थानी साहित्य में हस्तलिखित ग्रंथों का अध्ययन

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 पाठालोचन अर्थ, परिभाषा, स्वरूप सिद्धान्त, कला अथवा विज्ञान

प्रश्न सं.–16 पाठालोचन अर्थ, परिभाषा, स्वरूप सिद्धान्त, कला अथवा विज्ञान

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 पाठ संपादन : आधार एवं सहायक सामग्री का अध्ययन : शिलालेख, ताड़पत्र हस्तलिखित एवं विभिन्न प्रतियां

प्रश्न सं.–18 पाठ संपादन : आधार एवं सहायक सामग्री का अध्ययन : शिलालेख, ताड़पत्र हस्तलिखित एवं विभिन्न प्रतियां

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 पाठ संपादन प्रक्रिया : ग्रंथ चयन प्रतियों की संख्या, काल निर्धारण, भाषा छंद

प्रश्न सं.–20 पाठ संपादन प्रक्रिया : ग्रंथ चयन प्रतियों की संख्या, काल निर्धारण, भाषा छंद

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. पाठालोचन सिद्धान्त और प्रक्रिया : डॉ. मिथलेश कांत तथा विमलेश कांति
2. भारतीय पाठालोचन की भूमिा : डॉ. एस.एस. कत्रे
3. पाण्डुलिपि विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र
   प्रकाशक : राजस्थानी हिन्दी अकेदमी, जयपुर
4. पाण्डुलिपि : डॉ. महावीर प्रसाद शर्मा
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. शोध पद्धति : सी.आर. कोठारी
   Publish : New age international Publishers
6. अनुसंधान प्रविधि सिद्धान्त और प्रक्रिया
   प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन
7. शोध प्रविधि : विनयमोहन शर्मा
   प्रकाशक : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, आगरा

◈◈◈

DEC - COURSE CODE RAJ- 11-03-A

M.A. Rajasthani IV Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–चतुर्थ

तृतीय प्रश्न पत्र (Paper-III)

मध्यकालीन विशेष साहित्यकार

दो साहित्यकारों में से किसी एक साहित्यकार का विशेष अध्ययन

(अ) मीरा बाई

(ब) ईसरदास

(अ) मीरा बाई

अध्ययन क्षेत्र एवं पाठ्यपुस्तक

1. राजस्थान में भक्ति काव्य परंपरा–सगुण एवं निर्गुण परंपरा
2. राजस्थानी भक्तिकाव्य परंपरा में कृष्ण भक्ति
3. मीराबाई : वंश एवं परिवार परिचय, बाल्यकाल, विवाह, वैधव्य, मेवाड़ में जीवन, तीर्थयात्राएं, देहावसान
4. मीरांबाई की भक्ति–कान्ताभाव
5. मीरांबाई के पद–साहित्यिक विश्लेषण
6. मीरांबाई के व्यक्तित्व और कृतित्व में चेतना एवं सामाजिक परिवर्तन का स्वरूप

पाठ्यपुस्तक

1. मीरा पदावली : सं. पुरोहित हरिनारायण

   प्रकाशक : प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (व्याख्या हेतु प्रारम्भिक 100 पद)

प्रश्न पत्र अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 मीरांपदावली में से सप्रसंग व्याख्या।

प्रश्न सं.–12 मीरांपदावली में से सप्रसंग व्याख्या।

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 मीराबाई–व्यक्तित्व–जीवन–वृत–वंश परम्परा परिचय, विवाह, वैधव्य, गृहत्याग, तीर्थ यात्राएं, मीरांबाई के जीवन में लोक चेतना एवं विद्रोही स्वर।

प्रश्न सं.–14 मीराबाई–व्यक्तित्व–जीवन–वृत–वंश परम्परा परिचय, विवाह, वैधव्य, गृहत्याग, तीर्थ यात्राएं, मीरांबाई के जीवन में लोक चेतना एवं विद्रोही स्वर।

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 मीरांबाई की भक्ति की विशेषताओं का विश्लेषण

प्रश्न सं.–16 मीरांबाई की भक्ति की विशेषताओं का विश्लेषण

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 मीराबाई के काव्य की काव्यगत विशेषताएं

प्रश्न सं.–18 मीराबाई के काव्य की काव्यगत विशेषताएं

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी भक्ति काव्य परंपरा–सगुण–निर्गुण एवं संत परंपरा

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी भक्ति काव्य परंपरा–सगुण–निर्गुण एवं संत परंपरा

पाठ्यपुस्तक

1. मीरा पदावली : सं. पुरोहित हरिनारायण
   प्रकाशक : प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (व्याख्या हेतु प्रारम्भिक 100 पद)

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. मीराबाई : व्यक्तित्व और कृतित्व : डॉ. कल्याणसिंह शेखावत
2. मीराबाई के काव्य में लोकचेतना : डॉ. आलमशाह खान
3. मीराबाई : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
4. मीराबाई : डॉ. सी.एल. प्रभात
5. मध्यकालीन राजस्थान में धार्मिक आन्दोलन : डॉ. पेमाराम
   प्रकाशक : अर्चना प्रकाशन, अजमेर
6. राजस्थान के प्रमुख संत और लोकदेवता : डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

◈◈◈

DEC - COURSE CODE RAJ- 11-03-B

M.A. Rajasthani IV Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–चतुर्थ

तृतीय प्रश्न पत्र (Paper-III)

मध्यकालीन विशेष साहित्यकार

(ब) ईसरदास

अध्ययन क्षेत्र एवं पाठ्यपुस्तक

1. राजस्थान में भक्ति काव्य परंपरा–सगुण एवं निर्गुण परंपरा
2. चारणशैली के काव्यों की भक्ति परंपरा
3. कवि ईसरदास जन्म, वंश, परम्परा जीवनवृत
4. कवि ईसरदास–जीवन में चमत्कार और परमेश्वर के रूप में मान्यता
5. कृतित्व – प्रमुख रचनाएं परिचय
6. हरिरस का अध्ययन
7. हरिरस : भाव एव ंकला पक्ष का अध्ययन

पाठ्यपुस्तक

1. हरिरस : ईसरदास

   प्रकाशक : (सं.) बद्रीप्रसाद साकरिया

प्रश्न पत्र अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 हरिरस में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–12 हरिरस में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 हरिरस में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–14 हरिरस में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 कवि ईसरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–16 कवि ईसरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 'हरिरस' से संबंधित आलोचना प्रश्न

प्रश्न सं.–18 'हरिरस' से संबंधित आलोचना प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी भक्तिकाव्य परंपरा एवं राजस्थान के भक्तिकाव्य परंपरा में ईसरदास

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी भक्तिकाव्य परंपरा एवं राजस्थान के भक्तिकाव्य परंपरा में ईसरदास

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
   प्रकाशक : आधुनिक पुस्तक भवन कलकत्ता
3. History of Rajasthani Literature : Dr. H.L. Mahaeshwari
   Publisher : Sahitaya Akedemi, New Delhi
4. राजस्थानी भाषा साहित्य संस्कृति : डॉ. कल्याणसिंह शेखावत
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. हरिरस (सं.) बद्रीप्रसाद साकरिया,
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

◈◈◈

DEC - COURSE CODE RAJ- 11-04-A

M.A. Rajasthani IV Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–चतुर्थ

चतुर्थ प्रश्न पत्र (Paper-IV)

आधुनिक राजस्थानी साहित्य

सूर्यमल्ल मीसण अथवा महाराजा चतुरसिंह

(उपर्युक्त दोनों सहित्यकारों में से किसी एक साहित्यकार का अध्ययन करना होगा।)

सूर्यमल्ल मीसण

अध्ययन क्षेत्र एवं पाठ्यपुस्तक

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा
2. उत्तरमध्यकाल एवं आधुनिक काल राजस्थानी काव्य परंपरा संधिकाल में परिवर्तन के स्वर : प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार
3. प्रथम स्वतंत्रता आन्दोलन एवं राजस्थानी काव्य
4. सूर्यमल्ल मीसण –व्यक्तित्व–कृतित्व, जन्म, वंश, परिवार जीवनवृत, प्रमुख रचनाएं, वंशभास्कर, वीरसतसई, बलवद्विलास
5. बलवद्विलास विशेष अध्ययन।

पाठ्यपुस्तक

1. बलवद्विलास : सूर्यमल्ल मीसण (सं.) सौभाग्य सिंह शेखावत
   प्रकाशक : राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी), उदयपुर

प्रश्न पत्र अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 'बलवद्विलास' में से सप्रसंग व्याख्या।

प्रश्न सं.–12 'बलवद्विलास' में से सप्रसंग व्याख्या।

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'बलवद्विलास' में से सप्रसंग व्याख्या।

प्रश्न सं.–14 'बलवद्विलास' में से सप्रसंग व्याख्या।

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 सूर्यमल्ल मीसण व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–16 सूर्यमल्ल मीसण व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 'बलवद्विलास' से आलोचनात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–18 'बलवद्विलास' से आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा में परिवर्तन के स्वर

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी काव्य परंपरा में सूर्यमल्ल मीसण का योगदान

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी भाषा ओर साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी भाषा ओर साहित्य : हीरालाल माहेश्वरी
   प्रकाशक : आधुनिक पुस्तक भवन कलकत्ता
3. आधुनिक राजस्थानी काव्य : रामेश्वरदयाल श्रीमाली
   प्रकाशक : साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
4. परंपरा (सूर्यमल्ल मीसण विशेषांक) : सं. डॉ. नारायण सिंह भाटी
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर

पाठ्यपुस्तक

1. बलवद्विलास : सूर्यमल्ल मीसण (सं.) सौभाग्य सिंह शेखावत
   प्रकाशक : राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी), उदयपुर

◈◈◈

DEC - COURSE CODE RAJ- 11-04-B

M.A. Rajasthani IV Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–चतुर्थ

चतुर्थ प्रश्न पत्र (Paper-IV)

आधुनिक राजस्थानी साहित्यकार

महाराजा चतुरसिंह

अध्ययन क्षेत्र एवं पाठ्यपुस्तक

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा
2. उत्तरमध्यकाल एवं आधुनिक काल राजस्थानी काव्य परंपरा में संधिकाल परिवर्तन के स्वर : प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार
3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य में विविध विषयक काव्य
4. महाराजा चतुरसिंह व्यक्तित्व–कृतित्व, जन्म, वंश, परिवार, आध्यात्मिक अभिरूचि, साहित्य साधना – प्रमुख ग्रंथ, अनूदित ग्रंथ
5. चतुरचिंतामणि का विशेष अध्ययन

पाठ्यपुस्तक

1. चतुरचिंतामणि (सम्पूर्ण)

प्रश्न पत्र अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 'चतुर चिंतामणि' सप्रसंग व्याख्या।

प्रश्न सं.–12 'चतुर चिंतामणि' सप्रसंग व्याख्या।

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'चतुर चिंतामणि' सप्रसंग व्याख्या।

प्रश्न सं.–14 'चतुर चिंतामणि' सप्रसंग व्याख्या।

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 महाराजा चतुरसिंह व्यक्तित्व एवं कृतित्व जीवनवृत, वैराग्य, आध्यात्मिक अभिरूचि, प्रमुख रचनाओं से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.–16 महाराजा चतुरसिंह व्यक्तित्व एवं कृतित्व जीवनवृत, वैराग्य, आध्यात्मिक अभिरूचि, प्रमुख रचनाओं से संबंधित प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 'चतुर चिंतामणि' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–18 'चतुर चिंतामणि' से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 महाराजा चतुरसिंह का राजस्थानी साहित्य को योगदान मूल्यांकन, भक्तकवि के रूप, राष्ट्रीय चेतना से संबंधित काव्य, नीतिकार, दार्शनिक, अनूदित ग्रंथ

प्रश्न सं.–20 महाराजा चतुरसिंह का राजस्थानी साहित्य को योगदान मूल्यांकन, भक्तकवि के रूप, राष्ट्रीय चेतना से संबंधित काव्य, नीतिकार, दार्शनिक, अनूदित ग्रंथ

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी भाषा ओर साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी भाषा ओर साहित्य : हीरालाल माहेश्वरी
   प्रकाशक : आधुनिक पुस्तक भवन कलकत्ता
3. आधुनिक राजस्थानी काव्य : रामेश्वरदयाल श्रीमाली
   प्रकाशक : साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
4. महाराजा चतुरसिंह : संग्राम सिंह राणावत
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. महाराजा चतुरसिंह (मोनोग्राफ) : कन्हैयालाल राजपुरोहित
   प्रकाशक : साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

पाठ्यपुस्तक

1. चतुरचिंतामणि (सम्पूर्ण)
   प्रकाशक : महाराणा मेवाड़ ट्रस्ट, उदयपुर

◈◈◈

DEC - COURSE CODE RAJ- 11-05-A

M.A. Rajasthani IV Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–चतुर्थ

पंचम प्रश्न पत्र (Paper-V)

(अ) निबंध अथवा

(ब) लघुशोध

(किसी एक विकल्प का चयन करना होगा)

(अ) निबंध

प्रश्न पत्र अंक योजना

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

भाग – 'अ'

पंचम प्रश्नपत्र के इस विकल्प में विद्यार्थी को राजस्थानी में अध्ययन के साथ–साथ राजस्थानी भाषा में लेखन की दक्षता का विकास होगा। राजस्थानी निबन्ध के इस विकल्प में विद्यार्थी को परीक्षा में दस साहित्यिक विषयों में से विकल्प का चयन कर तीन घंटों की समयावधि में राजस्थानी भाषा में निबंध का लेखन करना होगा।

DEC - COURSE CODE RAJ- 11-05-B

M.A. Rajasthani IV Semester

एम.ए. राजस्थानी

सेमेस्टर–चतुर्थ

पंचम प्रश्न पत्र (Paper-V)

(ब) लघुशोध प्रबंध

पूर्णांक–100

चतुर्थ प्रश्न पत्र में लघुशोध प्रबंध के विकल्प का चयन वे नियमित विद्यार्थी कर पायेंगे, जिनके प्रथम से तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं के प्राप्तांकों का औसत साठ प्रतिशत या उससे अधिक होगा।

शोध प्रबंध के विषय का चयन विभाग के संकाय सदस्य जिसके निर्देशन में शोध कार्य होगा उसकी सहमति के आधार पर होगा। लघुशोध प्रबंध के पृष्ठों की सीमा न्यूनतम 100 पृष्ठ होगी। टंकित शोध प्रबंध 4 प्रतियों में प्रस्तुत करना होगा। इसके प्रारूप का निर्धारण विश्वविद्यालय के अनुसार होगा।

विद्यार्थी को अपना लघुशोध प्रबंध चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाओं की समाप्ति के पश्चात् 15 दिन की अवधि के भीतर प्रस्तुत करना होगा।